ओ. एस. डी. ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल
मई परीक्षा ,2024
दसवीं- हिंदी **Set- A**

समय: 35 मिनट **कुलांक: 20**

सामान्य निर्देश: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए:** हमारे भारत का किसान इस दृष्टि से सच्चा देशप्रेमी है कि वह सारे राष्ट्र का पालन कर रहा है। वैज्ञानिक दृष्टि में उन्नति के फलस्वरूप हमारे कृषि वैज्ञानिक उत्तम किस्म के नए बीज तथा ज्यादा अनाज देने वाली फ़सलें उगाने के लिए नई-नई तकनीकों के अनुसंधान में लीन है। अब इन कृषि वैज्ञानिकों के कारण उत्तम बीज रासायनिक खाद तथा खेती के आधुनिक औजारों की मदद से खेती-बाड़ी के काम को बढ़ाया जा रहा है। इस प्रकार आज भारतीय कृषक खाद्य समस्या का समाधान करने के लिए तैयार हैं। अब हमारे देश में कृषि को अन्य उद्योगों की भाँति माना जा रहा है और सरकार का सदा यही प्रबल रहता है कि खेती के उद्योगों को ही प्राथमिकता प्रदान की जाए। इस क्रम में सरकार किसानों को खेती के काम में बढ़ावा देने के लिए सस्ते ब्याज पर ऋण देने के लिए प्रयास कर रही है। कृषि कार्य के लिए वह और दूसरी सुविधाएँ भी किसानों को देने की कोशिश कर रही है। **(1)किसान को लेखक ने 'राष्ट्रप्रेमी' की संज्ञा प्रदान की है क्योंकि-** (क) किसान कड़ी मेहनत करता है। (ख) हमारे देश में सबसे अधिक जनसंख्या किसानों की है। (ग) अन्न उगाकर सारे देश का पेट भरता है। (घ) इनमें से कोई नहीं। **2. निम्नलिखित में से कौन-सा कार्य कृषि-वैज्ञानिकों ने नहीं किया है?** (क) उत्तम बीज उपलब्ध कराना। (ख) रासायनिक खादें उपलब्ध कराना। (ग) खेती के आधुनिक औजार उपलब्ध कराना। (घ) किसानों को धन उपलब्ध कराना। **3 आज कृषक किस बात के लिए तैयार है?** (क) देश की खाद्य समस्या के समाधान के लिए। (ख) अच्छे बीजों का प्रयोग करने के लिए (ग) नई-नई तकनीकों को अपनाने के लिए। (घ) इनमें सभी **4. किसानों की सहायता सरकार किस रूप में कर रही है?** (क) उनका लगान माफ़ करके। (ख) उन्हें सस्ते ब्याज पर ऋण देने का प्रयास करके (ग) उनसे कम टैक्स वसूल करके। (घ) इनमें से कोई नहीं	1×4
	(व्यावहारिक व्याकरण)	
प्रश्न 2	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:-** 1 **हालदार साहब जीप में बैठे और चले गए**। सरल वाक्य बनाइए उत्तर:- **2 बालगोबिन जानते हैं कि अब बुढ़ापा आ गया** ।(रचना के आधार पर कौन- सा वाक्य है?) उत्तर:-	2
प्रश्न 3	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।** **1 नेताजी ने देश के लिए सब कुछ त्याग दिया। (** कर्मवाच्य में बदलिए।) उत्तर:- 2 **पानवाले ने पान खाया।** (यह कौन -सा वाच्य है?) **उत्तर:-**	2
प्रश्न 4	**निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में अलंकार का नाम बताइए:-** **1 रति सम रमणीय मूर्ति राधा की।** 2 **सिर फट गया उसका वही, मानो अरुण रंग का घड़ा।** उत्तर:- उत्तर:-	2
प्रश्न 6	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए:-** बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जिस दिन उनका बेटा मरा ।इकलौता बेटा था वह कुछ सुस्त और बोदा-सा था, किंतु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज्यादा नजर रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने। उनका बेटा बीमार है, इसकी खबर रखने की लोगों को कहाँ फुरसत किंतु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है। हमने सुना, बालगोबिन भगत का बेटा मर गया। कुतूहलवश उनके घर गया। देखकर दंग रह गया। बेटे को आंगन में एक चटाई पर लिटाकर एक सफेद कपड़े से	5

	ढक रखा है। वह कुछ फूल तो हमेशा ही रोपते रहते, उन फूलों में से कुछ तोड़कर उस पर बिखरा दिए हैं; फूल और तुलसीदल भी। सिरहाने एक चिराग जला रखा है और उसके सामने जमीन पर ही आसन जमाए गीत गाए चले जा रहे हैं। वही पुराना स्वर, वही पुरानी तल्लीनता। घर में पतोहू रो रही है जिसे गाँव की स्त्रियों चुप कराने की कोशिश कर रही हैं। किंतु, बालगोबिन भगत गाए जा रहे हैं। हाँ, गाते-गाते कभी-कभी पतोहू के नजदीक भी जाते और उसे रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते। आत्मा परमात्मा के पास चली गई, विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली, भला इससे बढ़कर आनंद की कौन बात? मैं कभी-कभी सोचता, यह पागल तो नहीं हो गए। किंतु नहीं, वह जो कुछ कह रहे थे उसमें उनका विश्वास बोल रहा था-वह चरम विश्वास, जो हमेशा ही मृत्यु पर विजयी होता आया है। (1)**भगत जी की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष कब देखा गया?** (i) जब भगत जी का बेटा बीमार हुआ। (ii) जब भगत जी के बेटे की मृत्यु हुई। (iii) जब लोग बेटे को देखने आए। iv) जब बेटे को चटाई पर लिटाया । (2) **भगत जी अपने पुत्र का बहुत अधिक ध्यान क्यों रखते थे?** (i) पुत्र मानसिक रूप से कमजोर था। (ii) भगत जी उसे और भी मानते थे । (iii) उनका पुत्र बीमार था। (iv) सब लोग उसे बहुत प्यार करते थे। (3)**भगत जी ने पुत्रवधू को रोने के स्थान पर उत्सव मनाने के लिए क्यों कहा?** (i) पुत्रवधू को चुप कराने के लिए। (ii) भगत जी संन्यासी थे। (iii)क्योंकि आत्मा परमात्मा से जा मिली है। (iv) क्योंकि पुत्रवधू का ध्यान दूसरी तरफ चला जाए। (4)**भगत जी की पुत्रवधू की विशेषताएँ कौन-कौन सी थीं?** (i) साधारण व्यवहार, पड़ोसियों की सेवा करने वाली। (ii) अच्छे स्वभाववाली, सुशील तथा कुशल प्रबंधिका। (iii) पड़ोसियों का कहना मानने वाली. (iv) वाचाल, सुंदर और स्पष्टवक्ता । **(5) प्रस्तुत गद्यांश के लेखक का नाम बताइए।** (i) रामवृक्ष बेनीपुरी। (ii) स्वयं प्रकाश (iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी। (iv) इनमें से कोई नहीं	
प्रश्न 7	**निम्नलिखित पदयांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:-** **मन की मन ही माँझ रही।** **कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।** **अवधि अधार आस आवन की, तन मन विथा सही।** **अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि विरह दही।** **चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही।** **'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही।।** 1. **गोपियों को योग का संदेश कौन दे रहा है ?** (क) कृष्ण (ख) उद्धव (ग) अक्रूर (घ) सूरदास 2. **किसके मन की अभिलाषाएँ मन में ही रह गई ?** (क) श्रीकृष्ण (ख) ग्वालों (ग) उद्धव (घ) गोपियों 3 **गोपियां किसके आने की प्रतीक्षा में तन मन की व्यथा सह रही थी ?** (क) राम (ख) उद्धव (ग) सूरदास (घ) श्रीकृष्ण 4 **क्या सुनकर गोपियों की व्यथा और बढ़ गई है ?** (क) योग-संदेश (ख) उद्धव की बातें (ग) ग्वालों की बातें (घ) श्रीकृष्ण की बातें 5 **प्रस्तुत काव्यांश किस कविता से लिया गया है?** (क) साखियां (ख) सबद (ग) पद (घ) सवैये	**5**

ओ. एस. डी. ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल
मई परीक्षा ,2024
दसवीं- हिंदी

Set- B

समय: 35 मिनट

कुलांक: 20

सामान्य निर्देश: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए:** आत्मनिर्भरता का अर्थ है- अपने पर निर्भर रहना। जो मनुष्य दूसरों के मुँह नहीं ताकते वे ही आत्मनिर्भर होते हैं। आत्मनिर्भरता का राष्ट्रीय स्तर पर भी अर्थ है- निज समाज तथा राष्ट्र द्वारा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं करना। व्यक्ति समाज तथा राष्ट्र में आत्मविश्वास की भावना आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। स्वावलंबन, जीवन में सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलंबी अवश्य होना चाहिए। स्वावलंबनी व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र के लिए सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है। यह वीरों तथा कर्मयोगियों की सर्वांगीण उन्नति का आधार है। स्वावलंबन की परिभाषा हम अनेक उदाहरणों से समझ सकते हैं। जब बच्चा छोटा होता है तो वह पूर्णतया अपनी माँ पर आश्रित होता है। कुछ समय बाद वह अपने हाथों से चीज़ों को उठाता है, खाता है तथा खेलने में उनका प्रयोग करता है उसमें उसे परम आनंद प्राप्त होता है। शिशु की यह प्रसन्नता स्वावलंबन का आनंद है। अतः अपने आत्मविश्वास को जाग्रत कर उसे मजबूत बनाओ। हमें स्वावलंबन के अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं। पेड़-पौधों व पशु-पक्षियों में तो स्वावलंबन कूट-कूटकर भरा है। वे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं। सूर्य से प्रकाश धरती से जल व अन्य खनिज ग्रहण कर पौधे स्वतः बढ़ते जाते हैं। चींटी जैसा नन्हा-सा जीव भी स्वावलंबन का महत्व समझता है। **1 किन मनुष्यों को आत्मनिर्भर कहा जा सकता है?** (क) जो आत्मज्ञान के लिए साधना करते हैं। (ख) जो आत्मा-परमात्मा का अंतर समझ जाते हैं। (ग) जो अपने आत्मसम्मान का ध्यान रखते हैं। (घ) जो किसी भी कार्य के लिए दूसरों का मुँह नहीं ताकते। **2. किसी भी समाज और राष्ट्र की सफलता की पहली सीढ़ी क्या है?** (क) देश के लोग देशभक्त हो। (ख) देश के पास अपार धन हो। (ग) देश के नागरिक स्वावलंबी हो। (घ) इनमें से कोई नहीं। **3. शिशु को आनंद कब प्राप्त होता है?** (क) जब वह अपनी माँ पर आश्रित होता है। (ख) जब उसकी माँ उसे प्यार करती है। (ग) जब वह अपना कार्य स्वयं करने लगता है। (घ) जब वह अपने दोस्तों के साथ समय बिताता है। **4. पेड़-पौधे किस प्रकार हमें स्वावलंबी होने की शिक्षा देते हैं?** (क) हमारे लिए फल देकर (ख) चारों ओर हरियाली फैलाकर (ग) अपना भोजन स्वयं बनाकर (घ) तीनों में से कोई नहीं	1×4
	(व्यावहारिक व्याकरण)	
प्रश्न 2	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:-** **1. हालदर साहब जीप में बैठे और चले गए। (रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताइए)** **उत्तर:-** **2. यह बालगोबिन भगत के संगीत का जादू है। (रचना के आधार पर कौन- सा वाक्य है)** **उत्तर:-**	2
प्रश्न 3	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:-** **1 सिपाही ने चोर को पकड़ा (यह कौन- सा वाच्य है) उत्तर:-** **2 पानवाले द्वारा पान खाया गया। (यह कौन- सा वाच्य है) उत्तर:-**	2
प्रश्न 4	**निम्नलिखित पंक्तियों में अलंकार का नाम बताइए:-** **1 तब तो बहता समय शिला- सा जम जाएगा। उत्तर:-** **2 हरि मुख मानो मधुर मयंक। उत्तर:-**	2
प्रश्न 6	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए:-** दो साल तक हालदार साहब अपने काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुजरते रहे और नेताजी की मूर्ति पर बदलते हुए चश्मों को देखते रहे। कभी गोल चश्मा होता, तो कभी चौकोर, कभी लाल, कभी काला, कभी धूप का चश्मा, कभी बड़े	5

	काँचों वाला गोगो चश्मा... पर कोई-न-कोई चश्मा होता ज़रूर...उस धूल भरी यात्रा में हालदार साहब को कौतुक और प्रफुल्लता के कुछ क्षण देने के लिए। फिर एक बार ऐसा हुआ कि मूर्ति के चेहरे पर कोई भी, कैसा भी चश्मा नहीं था। उस दिन पान की दुकान भी बंद थी। चौराहे की अधिकांश दुकानें बंद थीं। अगली बार भी मूर्ति की आँखों पर चश्मा नहीं था। **(क) हालदार साहब कस्बे से गुजरते वक्त किसे देखते थे?** (i) नेताजी की मूर्ति को. (ii) मूर्ति पर बदलते हुए चश्मे को (iii) पान की दुकान को। (iv) चश्मा बदलने वाले कैप्टन को **(ख) मूर्ति को देखकर हालदार साहब के मन में कैसे भाव उठते थे?** (i) कौतुक और प्रफुल्लता के (ii) दुविधा और संशय के (iii) आश्चर्य और चिंतन के (iv) यात्रा की थकान के **(ग) हालदार साहब मूर्ति के चेहरे पर प्रतिदिन कैसे चश्मे देखते थे?** (i) कभी गोल तो कभी चौकोर (ii) कभी धूप का चश्मा तो कभी बड़े काँच वाला गोगो चश्मा (iii) कभी लाल तो कभी कला (iv) ये सभी **(घ) कितने साल तक हालदार साहब अपने काम के सिलसिले में कस्बे से गुजरते रहे** (i) दो साल (ii) तीन साल (iii) चार साल (iv) दस साल **(5) प्रस्तुत गद्यांश के लेखक का नाम बताइए।** (i) रामवृक्ष बेनीपुरी (ii) स्वयं प्रकाश (iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी (iv) इनमें से कोई नहीं	
प्रश्न 7	**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:-** **हमारे हरि हारिल की लकरी।** **मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।** **जागते सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी।** **सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।** **सु तौ व्याधि हमको ले आए, देखी सुनी न करी।** **यह तो 'सूर' तिनहिं ले सौंपो, जिनके मन चकरी।** **क) गोपियों नेअपनी तुलना हारिल पक्षी से क्यों की है?** (i) हारिल पक्षी सदैव लकड़ी लिए उड़ता है (ii) गोपियों को हारिल पक्षी पसंद है। (iii) श्रीकृष्ण के प्रति अपने एकनिष्ठ प्रेम के कारण (iv) श्री कृष्ण के प्रति अपनी नाराजगी के कारण **ख)"नंद-नंदन' विशेषण किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?** (i)श्रीकृष्ण के लिए (ii) गोपियों के लिए (iii) उद्धव के लिए (iv) नंद के लिए **ग)गोपियां किसे व्याधि कह रही है?** (i) उद्धव की बातों को (ii)श्री कृष्ण के विरह को (iii) उद्धव के योग ज्ञान को (iv) श्रीकृष्ण के प्रेम को **ड.)गोपियां योग का संदेश किनके लिए उपयुक्त समझती है ?** (i)जिनका मन स्थिर है (ii) जिनका मन स्थिर नहीं है। (iii)जो श्रीकृष्ण से प्रेम नहीं करते (iv) श्रीकृष्ण के लिए।	5

ओ. एस. डी. ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल

सामयिक परीक्षा (May,2024)

कक्षा : दसवीं

विषय: हिंदी

Set A

कुलांक: 30

अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु:-

1	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर** **1 (ग) अन्न उगाकर सारे देश का पेट भरता है** **2 (घ) किसानों को धन उपलब्ध कराना** **3 (क) देश की खाद्य समस्या के समाधान के लिए** **4 (ख) उन्हें सस्ते ब्याज पर ऋण देने का प्रयास करें**	**1×4**
2	**वाक्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर :-** **1 हालदर साहब जीप में बैठकर चले गए** **2 मिश्र वाक्य**	**2**
3	**वाच्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर:-** **1 नेताजी के द्वारा देश के लिए सब कुछ त्याग दिया गया।** **2 कर्तृवाच्य**	**2**
4	**अलंकार के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर:-** **1 उपमा अलंकार** **2 उत्प्रेक्षा अलंकार**	**2**
5	**गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर:** **1 (ii) जब भगत जी के बेटे की मृत्यु हुई।** **2 (i) पुत्र मानसिक रूप से कमजोर था।** **3 (iii) क्योंकि आत्मा परमात्मा से जा मिली है।** **4 (ii) अच्छे स्वभाव वाली सुशील तथा कुशल प्रबंधिका ।** **5 (i) रामवृक्ष बेनीपुरी**	**5**
6	**पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर:-**	**5**

	1 (ख) उद्धव । **2 (घ) गोपियां।** **3 (घ) श्रीकृष्णा।** **4 (क) योग संदेश।** **5 (ग) पद**	

ओ. एस. डी. ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल

सामयिक परीक्षा (May,2024)

कक्षा : दसवीं

विषय: हिंदी

Set B

कुलांक: 30

अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु:-

1	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर** 1 (घ) जो किसी कार्य के लिए दूसरों का मुंह नहीं ताकते 2 (ग) देश के नागरिक स्वालंबी हो 3 (ग) जब वह अपना कार्य स्वयं करने लगता है 4 (ग) अपना भोजन स्वयं बनाकर	1×4
2	**वाक्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर :-** **1 संयुक्त वाक्य** **2 सरल वाक्य**	2
3	**वाच्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर:-** **1 कर्तृवाच्य** **2 कर्मवाच्य**	2
4	**अलंकार के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर:-** **1 उपमा अलंकार** **2 उत्प्रेक्षा अलंकार**	2
5	**गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर:** **1 (i)मूर्ति पर बदलते हुए चश्मे को** **2 (i) कौतुक और प्रफुलता** **3 (iv) ये सभी.** **4 (i) दो साल.** **5 (ii) स्वयं प्रकाश**	5
6	**पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर:-**	5

	1 (iii) श्री कृष्ण के प्रति अपने एकनिष्ठ प्रेम के कारण। **2 (i) श्रीकृष्ण के लिए।** **3 (iii) उद्धव के ज्ञान योग को।** **4 (ii) जिनका मन स्थिर नहीं है।** **5 कविता का नाम पद और कवि का नाम सूरदास।**	